

सीएम यादव ने की उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं एवं फील्ड गतिविधियों की समीक्षा

मसाला फसलों के उत्पादन में हम अक्कल, उद्यानिकी फसलों के रकबे का करें विस्तार : सीएम यादव

किसानों की आय वृद्धि का बड़ा जरिया हैं उद्यानिकी फसलें

मध्यप्रदेश फूल-सब्जी की पैदावार में देश में तीसरे और फलोत्पादन में है चौथे स्थान पर

फूलों की खेती के लिए उज्जैन में खुलेगा सेंटर फॉर एक्सीलेंस फलोरीकल्चर

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्यानिकी फसलें छोटी जगह से बड़ी कमाई करने का प्रभावी माध्यम है। प्रदेश के अधिकाधिक किसानों को इससे जोड़ा जाये। किसानों को सीजनल और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए प्राकृतिक खाद का उपयोग कर जैविक खेती से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की वार्षिक आय बढ़ाई जाए। किसानों की आय वृद्धि और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिये योजनाबद्ध तरीके से उद्यानिकी फसलों और इनके जोत रकबे का साल-दर-साल विस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी उद्यानिकी एवं मसाला फसलों की अंतर्राष्ट्रीय मांग बढ़ रही है। इसकी पूर्ति के लिए बाजार तलाशें, उद्यानिकी उत्पादों की भरपूर ब्रांडिंग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां औषधीय गुणों से भरपूर फसलों की खेती भी बहुतायत में की जाती है। इनकी बड़ी संभावनाएँ हैं। औषधि निर्माण के लिए जरूरी इन फसलों की इंटरनेशनल मार्केट में मांग अनुसार आपूर्ति के लिए पूरी सफ़लाई



चेन तैयार की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हर साल नये-नये आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल खोले जा रहे हैं। इनमें देशी/आयुर्वेदिक दवाईयों की आपूर्ति में प्रदेश की औषधीय फसलों एवं उप-उत्पादों का भरपूर उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि मसाला फसलों के उत्पादन में हम पूरे देश में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि हमें इस क्षेत्र में और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभागीय संचालित योजनाओं की प्रगति और हितग्राहियों को लाभ प्रदाय पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ - 2028 के महेनजर उज्जैन में फूलों की खेती को प्रोत्साहन एवं विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए उज्जैन में सेंटर फॉर एक्सीलेंस फलोरीकल्चर की स्थापना की जा रही है। सेंटर स्थापना के लिए उज्जैन शहर के पास एक गांव में 19 एकड़ जमीन चिह्नित कर ली गई है। केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर समुचित समन्वय भी किया जा रहा है।

दुनिया में मिलेगी मफ़ की उद्यानिकी फसलों को पहचान

बैठक में बताया गया गया कि वर्ष 2030 तक उद्यानिकी क्षेत्र का रकबा 30 लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। बागवानी फसलों के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में हॉर्टिकल्चर प्रमोशन एजेंसी की स्थापना करने की कार्यवाई जारी है।

मध्यप्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों को दुनिया में पहचाना जाएगा। इसके लिए जी आई टैग दिलवाने की प्रक्रिया जारी है। विशेष रूप से जबलपुरी मटर, गुना का कुंभराज धनिया, बुरहानपुर का केला, रतलाम का रियावन लहसुन, खरगोन की मिर्च, इंदौर का मालवी आलू, बरमन भट्टा, छतरपुर का पान जैसे उद्यानिकी उत्पादों को जल्दी ही विशिष्ट भौगोलिक पहचान मिल जाएगी।

मध्यप्रदेश में हो रही मखाना की खेती, इस साल और बढ़ाएंगे रकबा

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में मखाना की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। मखाना क्षेत्र विस्तार योजना के तहत प्रदेश के 14 जिलों यथा नर्मदापुरम,

सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, रीवा, शहडोल, रायसेन, अनूपपुर, पन्ना एवं सतना में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मखाना उत्पादन का रकबा इस वर्ष बढ़ाकर 85.00 हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र सरकार द्वारा मखाना उत्पादन की कुल परियोजना लागत (एक इकाई) पर 40 प्रतिशत तक की अनुदान सहायता दी जाती है।

जून में भोपाल में होगा आम महोत्सव

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इसी वर्ष जून माह में भोपाल में आम महोत्सव, जुलाई में खरगोन में मिर्च महोत्सव, सितम्बर में बुरहानपुर में केला महोत्सव, अक्टूबर में इंदौर में सब्जी महोत्सव, नवम्बर में ग्वालियर में अमरूद महोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही दिसंबर में ग्वालियर में मधुमक्खी पालन व्यवसाय के प्रोत्साहन एवं जागरूकता के लिए एक कार्यशाला/सेमिनार भी आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को संतरा महोत्सव भी आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव के दौरान प्रदेश के सभी 10 संभागों में आम के 10 बाग लगाने के प्रयास किए जाएं। केला महोत्सव में केले के तने से रेशे बनाने वाले उद्यमियों/उद्योगपतियों को जोड़ा जाये। सब्जी महोत्सव के दौरान नागरिकों को अपने घरों में किचन गार्डन लगाने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाए।

40 नर्सियां हो रहीं हाईटेक

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में प्रेसराईज इरीगेशन वाले जिलों में 15 हजार हेक्टेयर रकबे में सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार भी किया जा रहा है। दो स्मार्ट बीज फार्म का विकास, सागर में झिला फार्म एवं देवास में कन्नौद ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जलूद सोलर प्लांट राष्ट्रीय उपलब्धि है : सीएम यादव

खरगोन जिले के जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट के सोलर पॉवर प्लांट का हुआ लोकार्पण

बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का बढ़ता प्रभाव

जन भागीदारी से निर्मित प्रथम संयंत्र का श्रेय मध्यप्रदेश को



भोपाल/नवप्रदेश।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण मध्यप्रदेश के साथ देशभर के लिए महत्वपूर्ण है। यहां सूर्य के प्रकाश को बिजली के रूप में बदलकर इंदौर नगर निगम लाभान्वित हो रहा है। लगभग 60 मेगावाट क्षमता की इस परियोजना में भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग मिला है। ग्रीन बॉन्ड स्कीम के माध्यम से इस परियोजना में देश की जनता को भागीदार (पार्टनर) बनाया है। पीपीपी मोड में कार्य करने वाला यह अपनी तरह का देश का प्रथम संयंत्र है। इस तरह से इस राष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय मध्यप्रदेश को जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले में महेधर के निकट जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयंत्र में अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस परियोजना में कोई भी व्यक्ति एक-एक लाख के 10 बॉन्ड खरीद सकता है। एक लाख पर लगभग 8 प्रतिशत की बचत होगी, जिसका लाभ 20 साल तक मिलेगा। अगर जरूरत पड़े तो इस बॉन्ड को बेचा भी जा सकता है। इस प्रकार से राज्य सरकार ने घर बैठे लोगों को पैसे कमाने का अवसर दिया है। मध्यप्रदेश सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। हमारी बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है। जलूद सोलर पॉवर प्लांट का भूमि-पूजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में किया था। लोकार्पण अवसर पर प्रदेश में हरित ऊर्जा पर जारी कार्यों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग में आगे है मध्यप्रदेश, वाराणसी में भी वैदिक घड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजी काल गणना के 12 महीने भी भारतीय खगोल मापदंड के आधार पर बने हैं। हमारे खगोल वैज्ञानिकों ने आर्यभट्ट के दौर में बता दिया था कि सूर्य की परिक्रमा करने में सभी ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। शनि ग्रह का एक वर्ष साढ़े 29 साल में पूर्ण होता है। सभी ग्रहों और नक्षत्रों की गति के आधार पर वैदिक ज्ञान से पता चलता है कि सूर्य और चंद्र ग्रहण कब होगा। मध्यप्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से निगम को बिजली तो मिलेगी ही, साथ में कार्बन उत्सर्जन भी कमी आएगी। बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का नवाचार सर्वोत्तम है। इस परियोजना की लागत 10 साल में निकल जाएगी, अगले 10 साल सिर्फ लाभ के होंगे। मध्यप्रदेश बदल रहा है। एक समय था, जब रात में बिजली कटौती होती थी, दिन में बिजली तो मिलती ही नहीं थी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग में आगे है मध्यप्रदेश, वाराणसी में भी वैदिक घड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजी काल गणना के 12 महीने भी भारतीय खगोल मापदंड के आधार पर बने हैं। हमारे खगोल वैज्ञानिकों ने आर्यभट्ट के दौर में बता दिया था कि सूर्य की परिक्रमा करने में सभी ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। शनि ग्रह का एक वर्ष साढ़े 29 साल में पूर्ण होता है। सभी ग्रहों और नक्षत्रों की गति के आधार पर वैदिक ज्ञान से पता चलता है कि सूर्य और चंद्र ग्रहण कब होगा। मध्यप्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से निगम को बिजली तो मिलेगी ही, साथ में कार्बन उत्सर्जन भी कमी आएगी। बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का नवाचार सर्वोत्तम है। इस परियोजना की लागत 10 साल में निकल जाएगी, अगले 10 साल सिर्फ लाभ के होंगे। मध्यप्रदेश बदल रहा है। एक समय था, जब रात में बिजली कटौती होती थी, दिन में बिजली तो मिलती ही नहीं थी।

आज बेबाक

बड़ा पुराना जुमला है कि मजबूरी का नाम महात्मा गांधी. नई दिल्ली के मुख्यमंत्री रहते हुए जिस अरविंद केजरीवाल ने सीएम कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो हटवा दी थी अब उन्हें मजबूरी में महात्मा गांधी की याद आई है. मजबूरी तेरे दर पे ले आई.... गाते हुए वे राजघाट पर सत्याग्रह करने पहुंच गए. वाकई घुंघरू सेट से बड़ा नौटंकीबाज नेता दुनिया में शायद ही कोई हो. रंग बदलने की कला में गिरगिट को भी मात देने वाले केजरू यदि पॉलिटिक्स में न होते और पिक्चर में काम करते तो अब तक दर्जनों आस्कर अवार्ड जीत चुके होते.

तापमान	
अधिकतम 45°	न्यूनतम 29°
बाजार भाव	
गोल्ड	सिल्वर
1,55,830	2,64,900
शेयर बाजार	
सेंसेक्स	निफ्टी
77,303.63	24,892.70
विश्व जनसंख्या	
भारत जनसंख्या	
8,289,644,926	1,474,583,419
गरमा-गरम	



बंगाल चुनाव: 142 सीटों पर बंपर वोटिंग 90% मतदान, ममता-भाजपा आमने-सामने

■ भाजपा बोली- ईवीएम में भाजपा बटन पर टैप लगाया

कोलकाता/ए। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग जारी है। शाम 5 बजे तक 89.99% वोटिंग हुई है। इस बीच सीएम ममता ने सीआरपीएफ पर टीएमसी समर्थकों से मारपीट का आरोप लगाया। ममता ने कोलकाता में कहा- सीआरपीएफ ने सभी बूथ कैप्चर कर लिए हैं। बंगाल पुलिस कहीं नहीं है। ममता ने कहा- सीआरपीएफने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्स्वर्वर लोगों को मार रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। उन्हें बॉर्डर की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन वे एक पार्टी की रक्षा कर रहे हैं।

टीएमसी ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने



जहां ईवीएम पर टैप मिले, वहां फिर से होगी वोटिंग

बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टैप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान (री-पॉलिंग) कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा।

सुवेदु के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए

भवानीपुर के वार्ड नंबर 73 में, बूथ संख्या 217 और 218 के पास उस समय तनाव बढ़ गया, जब भाजपा उम्मीदवार सुवेदु अधिकारी मौके पर पहुंचे। तुणमूल कांग्रेस समर्थकों ने जय बाला और चोर जैसे नारे लगाए। इसके जवाब में बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जय श्री राम के नारे लगाए।



अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में हर घड़ी जबरनमतों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय से समग्र

प्रधानमंत्री मोदी ने किया काशी विश्वनाथ मंदिर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी को बताया आधुनिक तकनीक और प्राचीन ज्ञान का अद्भुत संगम

भोपाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित विश्व की अनूठी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का सूक्ष्म अवलोकन किया।

जेपी नड्डा करेंगे 10वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली (ए.)। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने बनाने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा 30 अप्रैल को चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में अच्छे एवं पुनरुत्थापित किए जा सकने वाले प्रथाओं और नवाचारों पर 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

‘सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते’

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हम इस देश की सभ्यता और धार्मिक इतिहास नहीं भूल सकते

नई दिल्ली/ए। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की



दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। एडवोकेट जयसिंह ने

सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम मोदी ने यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का किया उद्घाटन

■ सपा-कांग्रेस विकास और नारी विरोधी: मोदी

हरदोई/ए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के



खिलाफ वोट किया। पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संक्षिप्त खबरें

संयुक्त टीम ने सुहेला में चलाया जांच अभियान

बलौदाबाजार / नवप्रदेश। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ का आधार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मंगलवार को संयुक्त टीम ने लगभग 15 दुकानों का गहन जांच किया खाद्य पदार्थों सैंपल लेकर राज्य प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुहेला तहसील में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सभी गन्न रस, जूस सेंटर, गुप्चुप ठेला एवं स्ट्रीट फूड वेडर्स के 15 दुकानों का गहन निरीक्षण किया गया एवं साफ सफाई के निर्देश दिये गये। बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालकों को अतिशीघ्र खाद्य पंजीयन बनवाने हेतु निर्देशित किया गया।साथ ही श्रीराम फ्ल भंडार एवं जूस कार्नर, दिक्षा बेकरी एवं स्वीट्स, सोनू मोनू पान सेंटर आदि फर्मों से मैगों जूस, गन्ना रस बर्फ गोला, लाहोरी जीरा, कीम बेल, केसर बादाम मिल्क शेक, आईस वाटर कच्चा आम, वाटर बेस फ्लेवर्ड ड्रिंक एवं आइस वाला लीची वाटर बेस फ्लेवर्ड ड्रिंक पैकड का नमूना संकलन कर विश्लेषण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने उपरान्त आगे की कार्यवाही की जावेगी। सभी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू, व्यक्तिगत रूप से नामांकन ऑनलाइन

बलौदाबाजार / नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस वर्ष 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों’ (पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री) के लिए नामांकन की प्रक्रिया 15 मार्च, 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के प्रतिभाओं को नामांकन के लिये चिह्नकित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। पद्म पुरस्कार के लिये व्यक्तिगत रूप से भेजे जाने वाले नामांकन ऑनलाइन के माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल <https://awards.gov.in> पर ही स्वीकार किए जाएंगे।जिला कलेक्टर के माध्यम से अनुशंसा सहित योग्य पात्र व्यक्तियों के स्पष्ट नामांकन प्रस्ताव भारत सरकार के संलग्न पत्र में दिए गये निर्देशानुसार दिनांक 15 जुलाई, 2026 तक संलग्न प्रपत्र में अनुशंसा सहित सामान्य प्रशासन विभाग को प्रेषित करना है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले में 4 मई से समाधान शिविर का होगा आयोजन

गरियाबंद / नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में आम जनता की शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी निराकरण के लिए इस वर्ष भी सुशासनस तिहार-2026 का आयोजन 01 मई से 10 जून तक किया जाएगा। सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखण्डों में शासन के मंशानुरूप आमजनों के समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन विभिन्न गांवों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले के समस्त विभाग की उपस्थिति होगी। इस शिविर में नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के साथ-साथ हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। जिले में यह आयोजन पांचो विकासखण्डों में आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्री बीएस उड्के ने सुशासन तिहार को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया है। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि आम जनता अपनी मांग, शिकायत एवं समस्याओं को जिला प्रशासन के समक्ष रखें।

पद्म पुरस्कार–2027 के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद / नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस, 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन नामांकन, सिफरिशें शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 15 जुलाई 2026 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन, सिफरिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। पद्म पुरस्कार अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों, विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों, सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 1 मई तक

बलौदाबाजार / नवप्रदेश । जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बल्दाकछार (सोनाखान) की कक्षा 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 अप्रैल से 1 मई 2026 तक मांगये गये हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए कक्षा 7वीं के लिए 04 बालक एवं 09 बालिका कुल 13, कक्षा 8वीं के लिए 01 बालक एवं कक्षा 9वीं के लिए 01 बालक एवं 01 बालिका कुल 02 सीट निर्धारित किया गया है। इनमें 06 बालक एवं 10 बालिका कुल 16 बालक एवं बालिका को प्रवेश दिया जायेगा।

भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं के उपयोग पर दोपहर में प्रतिबंध

कवर्धा / नवप्रदेश । कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पशुओं के संरक्षण के लिए आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच पशुओं पर सामग्री लादने, सवारी हेतु उपयोग करने अथवा टांगे, बैलगाड़ी, भैंसागाड़ी, ऊंट, खच्चर, टट्टू गाड़ी एवं गधे पर वजन ढोने के कार्य पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध 01 मई से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश पशुओं के प्रति कररुता निवारण (परिवहन एवं कृषिक पशु) नियम, 1996 के नियम 6 (3) के तहत जारी किया गया है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक गर्मी में पशुओं को होने वाली पीड़ा से बचना है।

पद्म पुरस्कार के लिए 15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

कवर्धा / नवप्रदेश । भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस वर्ष 2027 के अवसर पर प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों (पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री) के लिए नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य समाज के उन अनछुए एवं गुमनाम नायकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है, जो सुदूर वनाच्छां, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में रहकर समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। जारी दिशा-निर्देश में बताया गया है कि पद्म पुरस्कार के लिए जिले में कार्यरत विशिष्ट प्रतिभाओं की पहचान की जाए।

आंचलिक

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से बदली हीरालाल के जीवन की तस्वीर

धमतरी/ नवप्रदेश। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के और सुरक्षित आवास का सपना आज भी अनेक परिवारों के लिए चुनौती बना हुआ है। आर्थिक रुप से कमजोर परिवार व पौं तक कच्चे मकानों में जीवन यापन करते हैं जहां हर मौसम अपने साथ नई परेशानियां लेकर आता है। ऐसे ही संघर्षपूर्ण जीवन से गुजर रहे थे ग्राम पंचायत परेवाडीह के निवासी श्री हीरालाल जिनका परिवार लंबे समय से एक कच्चे मकान में रह रहा था। सीमित आय, पारिवारिक जिम्मेदारियां और संसाधनों की कमी के कारण वे चाहकर भी

अपने परिवार के लिए पक्का घर नहीं बनवा पा रहे थे।

श्री हीरालाल एक साधारण ग्रामीण परिवार से संबंध रखते हैं। उनका जीवन खेती-किसानी और मजदूरी पर आधारित था। मेहनत करने के बावजूद उनकी आय इतनी नहीं थी कि वे परिवार की दैनिक आवश्यकताओं के साथ-साथ घर निर्माण जैसे बड़े पंचायत परेवाडीह के निवासी श्री हीरालाल जिनका परिवार लंबे समय से एक कच्चे मकान में रह रहा था। सीमित आय, पारिवारिक जिम्मेदारियां और संसाधनों की कमी के कारण वे चाहकर भी

परिवार एक जर्जर और कच्चे मकान में रहने को विवश रहा। उनका कच्चा मकान मौसम की मार झेलने में सक्षम नहीं था। गर्मियों में घर के भीतर अत्यधिक गर्मी हो जाती थी जिससे रहना कठिन हो जाता था। सर्दियों में ठंडी हवाएं दीवारों और छत की दरारों से भीतर प्रवेश करती थी। लेकिन सबसे अधिक परेशानी बारिश के मौसम में होती थी। वर्षां शुरु होते ही घर की छत टपकने लगती थी दीवारें गीली हो जाती थी और कई बार घर के भीतर पानी भर जाता था। परिवार के सदस्यों की रात-रात भर

जागकर पानी निकालना पड़ता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और घर में रखे अनाज, कपड़े तथा अन्य सामान भी खराब हो जाते थे। हर वर्ष बारिश का मौसम उनके लिए चिंता और संकट लेकर आता था। परिवार के सदस्य हमेशा इस भय में रहते थे कि कहीं तेज बारिश या आंधी में मकान गिर न जाए। विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति अत्यंत कष्टदायक थी। श्री हीरालाल के मन में हमेशा यह इच्छा रहती थी कि उनके परिवार को भी एक ऐसा घर मिले जहां वे सुरक्षित और

सम्मानपूर्वक रह सके। इसी बीच उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारे में जानकारी मिली। ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित बैठकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को इस योजना के लाभों के बारे में बताया गया। उन्हें समझाया गया कि आर्थिक रुप से कमजोर और पात्र परिवारों को सरकार द्वारा पक्का मकान बनाने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह जानकारी श्री हीरालाल के लिए आशा की नई किरण लेकर आयी। उन्होंने ग्राम पंचायत

परेवाडीह में संपर्क कर योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी की। पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों ने उनके दस्तावेजों का परीक्षण किया और पात्रता के आधार पर उनका चयन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत किया गया। चयन की सूचना मिलने पर श्री हीरालाल और उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वर्षों से देखा गया सपना अब साकार होने जा रहा था।योजना के अंतर्गत स्वीकृत राशि किश्तों में प्राप्त हुई जिससे उन्होंने अपने घर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया।

अशोका पब्लिक स्कूल में श्रीश्री बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ

कवर्धा / नवप्रदेश। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अशोका पब्लिक स्कूल में श्री श्री बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ अत्यंत पावन एवं प्रेरणादायी वातावरण में किया गया। इस हेतु विद्यालय के संचालक पवन देवांगन एवं सारिका देवांगन बेंगलुरु जाकर पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी से मिले तथा उनके आशीर्वाद एवं आज्ञा से इस केंद्र की शुरुआत की गई। इस पावन मिलन ने विद्यालय परिवार को नई ऊर्जा, दिशा एवं प्रेरणा प्रदान की।

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के अनुसार, जैसे पौधों को पूर्ण रूप से विकसित होने के लिए जल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार बच्चों में मानवीय मूल्यों के विकास हेतु संस्कार अत्यंत आवश्यक हैं। आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री बाल संस्कार केंद्र का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत योग एवं प्राणायाम के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक संतुलन, ध्यान द्वारा एकाग्रता एवं आंतरिक शांति, तथा नैतिक शिक्षा के माध्यम से अनुशासन, सम्मान,



जिम्मेदारी और करुणा जैसे गुणों का विकास कराया जाएगा। साथ ही व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे बच्चे भारतीय परंपराओं और संस्कारों से जुड़ सकें। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यह केंद्र बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाएगा, जिससे वे एक संस्कारित, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसी क्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में 29 अप्रैल से 2 मई तक कवर्धा में ंकलर्स ऑफ जॉय नामक 4 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं

धमतरी / नवप्रदेश। जिला पंचायत धमतरी के सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सावां की अध्यक्षता में विशेष सामान्य सभा बैठक सम्पन्न हुआ। सभाकक्ष में जिले के विकास कार्यों, जनहित योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जिले के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की।

सभा में मुख्य रुप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गौकरुण साहू, सदस्य श्री टीकाराम कंवर, श्री अजय ध्रुव, श्रीमती मोनिका देवांगन, श्रीमती पूजा सिन्हा, श्रीमती कुलेश्वरी गायकवाड़, श्रीमती धनेश्वरी साहू, श्रीमती अनिता ध्रुव, श्रीमती मीना साहू,



श्रीमती गरिमा धनुष नेताम तथा जनपद पंचायत धमतरी की अध्यक्ष श्रीमती अंगीरा ध्रुव, जनपद पंचायत मगरलखंड के अध्यक्ष श्री विरेन्द्र साहू उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर, लेखाधिकारी श्री चंदन टंडन, उपसंचालक श्री नकुल प्रसाद वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

विशेष सामान्य सभा में विद्युत विभाग , शिक्षा विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की क्रमवार समीक्षा की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सावां ने सभी विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की वर्तमान स्थिति, कार्य प्रगति, उपलब्धियों तथा लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की

लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा समय-सीमा में योजनाओं का क्रिया-न्वयन सुनिश्चित किया जाए।

विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफॉर्मर बदलने की प्रक्रिया, खराब लाइनों की मरम्मत, नए विद्युत नेटवर्कशन तथा किसानों को कृषि पंपों के लिए बिजली उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सदस्यों ने कई क्षेत्रों में लो-वोल्टेज, अनियमित बिजली आपूर्ति और खराब ट्रांसफॉर्मरों की समस्याएं उठाईं। अध्यक्ष श्री सावां ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए तथा गर्मी के मौसम को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर उड़के ने किया बिहान रसोई का शुभारंभ, महिलाओं को मिला रोजगार

■ लखपति दीदी पहल को गति, समूहों को मिलेगा लाभ

गरियाबंद / नवप्रदेश। कलेक्टर श्री बीएस उड्के ने लखपति दीदी पहल अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत शासकीय आईटीआई मजरकट्टा परिसर में स्थापित बिहान रसोई का कल शाम पीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि बिहान रसोई ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने तथा रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि लखपति दीदी पहल से जुड़ी महिला स्वसहायता समूहों को इस रसोई के माध्यम से



नियमित आय का अवसर मिलेगा, साथ ही इनके द्वारा तैयार किए जाने वाले पौष्टिक एवं स्वच्छ नाश्ता, भोजन सहित छत्तीसगढ़ी व्यंजन से जिलेवासियों को इसका लाभ मिलेगा। कलेक्टर ने महिलाओं द्वारा तैयार व्यंजनों की सराहना करते हुए समूहों को गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान बिहान दीदीयों द्वारा बनाएं गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को चखा। अधिकारियों ने

बताया कि वर्तमान में बिहान रसोई में 04 दुकानें संचालित की जा रही है। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी रसोई संचालन की जानकारी ली और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जनपद सीईओ श्री केएस नागेश, डीपीएम श्री रमेश वर्मा श्री पतंजलि मिश्रा सहित बिहान समूह संगठन के पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल समय, तेजी से हो काम – कलेक्टर वर्मा

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

कवर्धा / नवप्रदेश ।साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के साथ ही विभागीय काम काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसीज द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

निर्माण समय से प्रारंभ और पूरा हो इसके लिए आवश्यक है कि निर्माण कार्य से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं तय समय में करते हुए चलें। उन्होंने निर्माण कार्य के लिए भूमि चिन्हांकन, टेंडर प्रक्रिया जैसे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए सभी काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल समय है, अतः पूरी तेजी से कार्य आगे बढ़े।

बाल श्रम के खिलाफ सख्त अभियान शुरू, बच्चों को काम पर रखना अपराध ■ संयुक्त टीम ने दुकानों, होटलों और कारखानों में दी चेतावनी

बलौदाबाजार / नवप्रदेश । कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार के मार्गदर्शन में जिले में बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बलौदाबाजार एवं कसडोल विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों में कारखानों, दुकानों, होटलों, ढाबों और पान ठेलों का निरीक्षण किया गया। टीम ने संस्थानों के संचालकों को बाल श्रम कानूनों की जानकारी

देते हुए स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को काम पर रखना दंडनीय अपराध है। अभियान के दौरान 5 बच्चे 18 वर्ष से कम पाए गए जिन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान जिले में किसी भी बच्चे को भिक्षावृत्ति करने नहीं पाया गया, जो एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि संभावित जाँखिम को देखते हुए गिरानी और जागरूकता अभियान जारी रखने की बात कही गई। टीम ने सख्त चेतावनी दी कि यदि भविष्य में बाल श्रम या बाल भिक्षावृत्ति के मामले सामने आते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ श्रम कानूनों के

साथ-साथ किशोर न्याय अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत पांच वर्ष तक की सजा और एक से पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस अभियान में जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास, संरक्षण अधिकारी दीपक राय, चाइल्ड लाइन से परियोजना समन्वय नेहा तिवारी, मोरध्वज साहू, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, पुलिस विभाग और चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे बाल श्रम के खिलाफ जागरूक रहें और किसी भी उल्लंघन की सूचना तुरंत दें।

परहित सरिस धरम नहिं भाई को किया साकार: सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, अब यात्रियों को मिलेगी ठंडक

राम जानकी सेवा समिति ने रेलवे स्टेशन में वाटर कूलर भेंट कर यात्रियों को दी राहत

बालोद/ नवप्रदेश । भीषण गर्मी के बीच जनसेवा का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए राम जानकी सेवा समिति कुसुमकसा ने रेलवे स्टेशन में यात्रियों के लिए वाटर कूलर उपलब्ध करायक ंपरहित सरिस धरम नहिं भाईः- की पींक को चरितार्थ किया है। इस पहल से अब यात्रियों को प्रतीक्षालय में राहत मिलेगी।



कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। **गर्मी में यात्रियों की परेशानी देख लिया निर्णय-** समिति के सदस्यों ने देखा कि भीषण गर्मी में रेलवे स्टेशन

पहुंचने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में स्टेशन मास्टर से चर्चा भी की गई, जिसमें बताया गया कि पिन्तहाल ऐसी कोई सरकारी व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

इसके बाद समिति ने स्वयं पहल करते हुए आपसी सहयोग से वाटर कूलर खरीदकर स्टेशन को सौंप दिया। वाटर कूलर लगाने से अब रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय में यात्री ठंडी हवा और ठंडे पानी का

लाभ ले सकेंगे, जिससे उनकी यात्रा अधिक सहज और आरामदायक होगी। इस पहल की यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने सरहना की है। कार्यक्रम में रहे उपस्थित -इस अवसर पर समिति

के सचिव दिनेश जैन, नितिन जैन, कमलकांत साहू, पुष्पजीत बैस, मनीष जैन, कमलेश्वर सिन्हा, मोती कुचेरिया, देवराज जैन, गजेंद्र सिन्हा, राजा गुप्ता, मोनू परिहार, विजय जेटवानी, अनिल जेटवानी, जसरराज कोचरिया, वीरेंद्र सिन्हा, योगेंद्र सिन्हा, आशीष जैन, पंकज जेटवानी, दीपक यादव सहित अनेक सदस्य और रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे। समिति की इस पहल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सच्ची सेवा वही है, जो बिना किसी स्वार्थ के समाज के लिए की जाए।

सुविचार

लोग ब्लडशेयर के डर से नमक खाना और शूगर के डर से मीठा खाना छोड़ देते हैं लेकिन भगवान के डर से दूसरों का हक खाना और हाराम की खाना नहीं छोड़ें

अरविंद केजरीवाल का सत्याग्रह

राजनीतिक नौटंकी करने में माहिर नई दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अब न्यायापालिका के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने बहुचर्चित आपकारी घोटाले के मामले में अपने खिलाफ दायर मुकदमें की सुनवाई करने वाली हाईकोर्ट की न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा की अदालत का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें न्याय की उम्मीद नहीं है। इसलिए वे अपनी अंतरात्मा की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए गये रास्ते पर चलते हुए सत्याग्रह कर रहे हैं। उनकी देखा देखी शराब घोटाले मामले में आरोपी रहे तत्कालीन आबाकरी मंत्री और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी अदालत की कार्यवाही का बहिष्कार किया है। ये दोनों नेता राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मौन बैठ गये। उनकी इस नौटंकी की आरंभ पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई राज्यसभा सदस्य स्वातिमालीवाल ने तंज कसा है कि अरविंद केजरीवाल इस तरह की नौटंकी करने के आदि रहे हैं। यह बात सही भी है क्योंकि जब अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो हटवा दी थी और अब उन्हें उच्च न्यायालय से झूटका लगने का डर सता रहा है तो वे अपने दल बल के साथ महात्मा गांधी की समाधि पर पहुंच गये हैं जहां तक उनके न्यायालय में चल रहे मुकदमें का प्रश्न है तो कोई भी आरोपी इसके लिए स्वतंत्र होता है कि वह न्यायालय की कार्यवाही का हिस्सा बने या न बने। यदि वे हाईकोर्ट में उपस्थित नहीं होते हैं और न ही अपना पक्ष रखने के लिए किसी वकील को भेजते हैं तो ऐसी स्थिति में अदालत एक पक्षीय फैसला भी कर सकती है और इस मामले में आरोपीय का पक्ष रखने के लिए एमीकशज्यूरी की नियुक्ति कर सकती है। अदालत अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ वारंट भी जारी कर सकती है। ऐसे में अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं लेकिन लगता है कि वे न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती देने का मन बना चुके हैं। उन्होंने कहा भी है कि यदि हाईकोर्ट में उनके मुकदमें की सुनवाई के बाद उनके खिलाफ फैसला आता है तो वे उस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। ये वही केजरीवाल हैं जो मुख्यमंत्री रहते एक टीवी कार्यक्रम के दौरान यह कह चुके हैं कि आजकल कुछ नेता न्यायालयीन फैसलों पर आपत्ति उठाते हैं और जजों की नियुक्ति और मनफ कानूनों की मांग करते हैं। ऐसे लोग देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। अब वही केजरीवाल अपने खिलाफ चल रहे मामले की सुनवाई करने वाली न्यायाधीश को बदले जाने की मांग को लेकर सत्याग्रह कर रहे हैं। इसी से उनकी कथनी और करनी में अंतर साफ नजर आ जाता है। इस तरह की नौटंकी करने से बेशक उन्हें मीडिया में पब्लिशिटी मिल जाये लेकिन इससे उनके मुकदमें पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। यदि वे निंदीय हैं तो बरी हो जाएंगे और दोषी पाये गये तो उन्हें सजा जरूर मिलेगी।

गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा की बल्ले बल्ले

गुजरात विधानसभा चुनाव के एक साल पहले हुए नगरीय निकाय चुनाव में एक बार फिर भाजपा की बल्ले बल्ले हो गई है। गुजरात नगरीय चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है तथा शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक एकतरफा जीत हासिल करके उसने बड़ी कामयाबी पाई है। गुजरात के सभी 15 नगर निगमों में भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद महानगरपालिका की 192 सीटों में से 198 सीटें भाजपा ने जीती हैं वहीं कांग्रेस को 24 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। इसी तरह नगरपालिका, जिला पंचायत और तहसील प्रकायत के चुनाव में भी भाजपा ने अपना परचम लहराया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का सुपड़ा पूरी तरह साफ हो गया है। सबसे रोचक नतीजा तो गौधरा के एक वार्ड का रहा है जहां सौ प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं और वहां से भाजपा की एक हिन्दु महिला प्रत्याशी जीत गई है। इसी से स्पष्ट है कि गुजरात के नगरीय निकाय चुनाव में हिन्दू मुस्लिम फैक्टर काम नहीं आया है और खुद को मुस्लिम वोट बैंक का मालिक साबित करने वाली कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी को भी इनके उतने वोट नहीं मिले है जितनी उन्होंने उम्मीद की थी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को उंगलियों को गिने जाने वाली सीटें मिली है। इनसे बेहतर तो असदुदीन औवैसी का प्रदर्शन रहा है जिसने गिनती की सीटें लड़ी और पांच सीटों पर कामयाबी हासिल की कुल मिलाकर गुजरात विधानसभा के पहले हुए नगरी निकाय चुनाव जिले सेता का सेमिफाइनल कहा जा रहा था और इसमें आम आदमी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करने का दावा कर रही थी वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को मात देने की बात कर रहे थे दिन दोनों ही पार्टियों को गुजरात के मतदाताओं ने नकार कर यह सिद्ध कर दिया कि उनका भाजपा पर आज भी भरोसा कायम है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1598 - अमेरिका में पहली बार थियेटर का आयोजन। 1789 - जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए। 1908 - खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफेर्ड के मॉजस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका, लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए। 1945 - जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उनकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या। 1973 - अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति के नाते वॉटरगेट कांड की जिम्मेदारी ली हालाँकि उन्होंने साफतौर पर कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं। 1975 - वियतनाम युद्ध का अंत हुआ। तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुर्गाधर वैन मिह ने अपनी सेनाओं से समर्पण करने और उत्तरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा। 1985 - अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55 वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उग्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने। 1991 - बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर। 1991 - अंडमान द्वीप समूह के एक निर्जन द्वीप पर एक सुप्त पड़े ज्वालामुखी में विस्फोट। शताब्दी में पहली बार ऐसा हुआ।

भारत-न्यूजीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की: लाभकारी समझौता

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी – जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है।

देश ने पूर्व –इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र – की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देखा मिला। यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नजर में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूजीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं– ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024झू25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी – यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है। प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच:

एफटीए सफ़्टा और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कुत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्यूमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थीं। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात

करता है और शून्य-शुल्क पहुंच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाजार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक–ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़की वजह से बाधित थे–अब आगे



बढ़ने और फ़्लने-फ़्लने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार:

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड–जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है–में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है–क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28व से अधिक हिस्सा चीन जाता है–और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाजार तक पहुंच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं। भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूजीलैंड एफ्टीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को

राजा रघुवंशी हत्याकांड प्रकरण और न्याय की चुनौतियां

राजा रघुवंशी का प्रकरण आधुनिक समय की उन सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है जिसने भारतीय समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह मात्र एक आपराधिक घटना नहीं है बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, अदृष्ट विश्वास और विश्वासघात की पराकाष्ठा का एक ऐसा दर्शावेज है जो हमारी न्याय प्रणाली की शुष्मताओं को भी कटघरे में खड़ा करता है। वर्ष 2025 में आरंभ हुई यह दुखद घटना 2026 में भी जनमानस के बीच गहन विमर्श का केंद्र बनी हुई है, विशेषकर उस समय जब इस संपूर्ण प्रकरण की मुख्य अभियुक्त को न्यायालय से सशर्त मुक्ति प्राप्त हुई है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया है कि कभी-कभी वास्तविकता किसी भी काल्पनिक कथा से अधिक भयावह और विचलित करने वाली हो सकती है। इस संपूर्ण घटनाक्रम की जड़ें इंदौर के एक सामान्य परिवार से जुड़ी हैं। इंदौर के निवासी राजा रघुवंशी का विवाह 11 मई 2025 को सोनम के साथ अत्यंत हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ था। परिवार के सदस्यों और मित्रों के अनुसार यह एक

अत्यंत सुखी और सामान्य विवाह प्रतीत होता था, जिसमें किसी भी प्रकार के तनाव या विवाद की कोई सुगबुगाहट नहीं थी। विवाह के पश्चात के रीति-रिवाजों

को पूर्ण करने के बाद, अपनी नई जीवन यात्रा को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से यह दंपति 20 मई 2025 के आसपास मेघालय की प्राकृतिक छटाओं का आनंद लेने के लिए प्रस्थान कर गया। उस समय किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि खुशियों की यह खोज एक भयानक त्रासदी में परिवर्तित होने वाली है। मेघालय की वादियों में भ्रमण के दौरान 23 मई 2025 वह अंतिम तिथि थी जब राजा और सोनम को अंतिम बार एक साथ देखा गया था। इसके पश्चात अचानक उनका अपने परिवार से संपर्क विच्छेद हो गया। कई घंटों तक कोई सूचना न मिलने और संचार के सभी साधन बंद होने के कारण परिवार की चिंता बढ़ती गई। अंततः स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इस संदर्भ में सूचित किया गया। इसके पश्चात एक व्यापक खोज अभियान का सूत्रपात हुआ जिसमें स्थानीय पुलिस बल के साथ-साथ आपदा प्रबंधन दल और अन्य जांच एजेंसियों ने भी सक्रिय भूमिका

निभाई। कई दिनों की निरंतर खोज और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करने के पश्चात 2 जून 2025 को राजा का निष्पाण शरीर एक अत्यंत गहरी खाई से बरामद किया गया। इस समाचार ने न केवल रघुवंशी परिवार को अप्रूपीय क्षति पहुंचाई बल्कि संपूर्ण देश में सनसनी फैला दी। प्रारंभिक स्तर पर यह मामला एक रहस्यमय

दुर्घटना प्रतीत हो रहा था क्योंकि राजा की पत्नी सोनम उस स्थान से लापता थी। पुलिस ने अपनी जांच की दिशा बदली और विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चलाया। अंततः 8 जून 2025 को पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली जब सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से बंदी बना लिया गया। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इस घटना के पीछे छिपे काले सत्तों की परतें खुलने लगीं। जांच अधिकारियों ने उद्बेदन किया कि राजा की मृत्यु कोई संयोग या दुर्घटना नहीं थी, अपितु यह एक अत्यंत सुव्यवस्थित और कट्टर षड्यंत्र का परिणाम थी। पुलिस के दावों के अनुसार, सोनम ने अपने कथित प्रेमी राज

कुशवाहा और 3 अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस जघन्य अपराध की रूपरेखा तैयार की थी। जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि हत्या की इस वारदात को मेघालय के सोहरा क्षेत्र के अत्यंत दुर्गम और एकांत स्थान पर अंजाम दिया गया था। वहां अपराधी पूर्व से ही घात लगाकर बैठे थे। आरोप है कि सोनम सुनियोजित तरीके से राजा को उस एकांत स्थान पर ले गई, जहां उस पर निर्धारित योजना के अनुसार हमलावरों ने पूरा पर प्रहार किया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसके शरीर को खाई में फेंक दिया। यह विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित करने के लिए पर्याप्त था क्योंकि यह उस पवित्र बंधन के विरुद्ध था जिसमें दो व्यक्ति एक-दूसरे की सुरक्षा का वचन लेते हैं। आरक्षी विभाग ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए साक्ष्यों का संकलन किया और सितंबर 2025 में न्यायालय के समक्ष लगभग 790 पृष्ठों का एक विशाल आरोप पत्र प्रस्तुत किया। इस दर्शावेज में सोनम, राज कुशवाहा और अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध वैज्ञानिक साक्ष्य, परिस्थितियन्य प्रमाण और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को विस्तृत रूप से सम्मिलित किया गया था। इस आरोप पत्र की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट था कि यह मामला कानूनी रूप से अत्यंत सुदृढ़ है।

पाठकों की बात पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

क यों' मौन मन आज इतना मुखर है कौन पीढ़ा में आज बि ल ख त। उधर ही। क्यों' हृदय के थाप पर नूपुर टूट रहे आप तारक बन नीर लोचनों से छूट रहे। बोल दुख तुने आज किन-किन को दुर्बल किया है किस-किस ने आज फिर दुर्दिन को जिया है। दाय हृदय के राख से क्यों अंबर घना है? किसके अश्रव्यों से आज यह बादल बना है। क्यों भींग रही है भूमि निखिल जग में आज? किसका मधुर जल क्षार बन पट-गात से झरा है? – नीरज वर्मा नीर

कुछ लड़कियां आज के समय में भी ऐसी हैं कि वो ना घर में काम करना चाहती हैं ना बाहर कमाने जाना चाहती हैं।इनको बस पति के पैसे पर मौज करना होता है।ऐसी लड़कियों के बाप को तो दहेज देना ही पड़ता है।ये भी एक कारण है दहेज खत्म ना होने का।अनुभव किजिंग या कभी दोस्तों। – प्रीति श्रीवास्तव

उदास लम्हन गुज़ल बन जाऊँ, कोई हमका गुनुगुनाये भीतर के सन्नाटा जब सुरू बन के बहि जाए, त टटल दिलो धीरे-धीरे मुस्काये जवन पीरा रही चुपणी में दबी, ओही अल्फ़ाज बन के कागज पर उतरि आए मन करे -"दुख के भी अपना एक मीठा सा राह है।"

जवन सुन लेई, उहू अपन दर्द भुलाएउ उदास लम्हन गुज़ल बन जाऊँ, बस एतना चाह– कोई मन से हमका धीरे-धीरे गुनुगुनाये – चिन्मय शुक्ल

स्टेज से सेज का साधन, राष्ट्र भक्तों ने कर दिया पशु भी नहीं हो तुम , तुमने साबित ये कर दिया धर्म की पूछ भी तुम्हें मालूम नहीं है "मसीहा" लुच्चों, लफ़्मां, लंपटों को संत घोषित कर दिया। – केदार नाथ शब्द मसीहा

प्राण दीपक सेह के सारे संबल अंपंग हैं कंठ में कुलबुलते कालकूट और हलाहल का जोर है आधियों का बेरहम मौसम है कड़कती बिजलियाँ और घुमड़ते बादलों का शोर है हूँ एक नन्हा सा प्राण दीपक.फिर भी मैं नित जल रहा हूँ। – रामकिशोर उपाध्याय

हथेली पे इक बिच्छु पाला था हमने, कोई जख्म गहरा संभाला था हमने। न रोए तो पत्थर समझने लगे सब, ये इल्जाम भी हँस के टाला था हमने। हमें वक़्त ने इस क़दर तोड़ डाला, नई शक्ल में खुद को ढाला था हमने। कभी मुश्क़िली से पुकारा था हमको,कभी कोई आंसू उबाला था हमने। जहाँ प्यास बुझनी ही मुमकिन नहीं थी, वहीं भी समंदर खंगाला था हमने। – रुबी झा कमल

मेरी नज़र में वो मंज़ूर सभी समाए हैं पुरानी यादों के बादल पलट के आये हैं हमारे घर में हमीं लगता है पराए हैं किए हुए हमपे वो अहसान सब गिनाए हैं ये कर्ज़ उनका चुकायेग उग्र देकर हम हमारे साथ हमारे ही अपने साए हैं बिछड़ के जायें कंठ को कोई ठोर ही नहीं है ज़माने के लिए वैसे भी हम पराए हैं हंसीं थे दिन हंसीं थी रातें गुम न था कोई सुहानी यादों का अम्बर जो हम उठाए हैं अभी तो खुश मुझे रहने दो मैं सफ़्र में हूँ कि राह- ए जिन्दगी के – माधुरी स्वर्णकार

QUIZ TIME

1) कौन-सी फ़िल्म अंतरिक्ष में शूट की जाने वाली पहली फ़ैचर फ़िल्म है?

2) आर्कटिक परिषद किस घोषणा के माध्यम से बनाई गई थी?

3) विलिंगडन आइलैंड, भारत के किस शहर में स्थित है?

4) अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस हर साल कब मनाया

जाता है?

5) हाल ही में मध्य प्रदेश में एक स्मारक से सम्मानित रानी दुर्गावती किस वंश से संबंधित थीं?



1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 82



सऊदी-पाक गठजोड़ पर भारी यूएई की ‘तेल कूटनीति’ भारत के लिए खुलेंगे सस्ते ईंधन के रास्ते

संयुक्त अरब अमीरात ने अपने हालिया कदमों से साफ़ संकेत दे दिया है कि वह पाकिस्तान-सऊदी अरब गठजोड़ के खिलाफ़ रणनीति बना रहा है। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने का उसका फैसला सऊदी अरब को बड़ा झटका देने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं ये फैसला पाकिस्तान के लिए भी बड़ा मेसेज बनकर सामने आया है, जिसने पड़ोसी मुल्क की पेशानी पर निशाना ना दिए हैं।

पाकिस्तान को झटका तो क्या भारत को लाभ?

इसे पूरे मामले को भारत के लिहाज से देखें तो सवाल उठता है कि क्या ये फैसला भारत के पक्ष में जा सकता है? असल में यूएई के इस फैसले से ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई बढ़ सकती है, जिससे कीमतों में कमी आ सकती है। इसका सीधा फायदा भारत जैसे आयात करने वाले देशों को मिल सकता है, क्योंकि उनका तेल खर्च कम होगा और महंगाई पर भी असर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स के नजरिये को समझें तो यह कदम भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित हो सकता है।

ऐसे में जहां भारत को सस्ते तेल और मजबूत ऊर्जा साझेदारी का फायदा मिल सकता है, वहीं पाकिस्तान के लिए यह स्थिति आर्थिक दबाव और रणनीतिक असहजता बढ़ाने वाली बन सकती है। अब इस पूरे फैसले को कैनवस पर और बड़ा करके देखें तो नजर आता है कि इससे पहले कई घटनाक्रम तेजी से सामने आए, ईरान के साथ टकराव के दौरान यूएई को सीधे हमलों का सामना करना पड़ा, जबकि खाड़ी सहयोग परिषद के देशों से उसे वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसे उम्मीद थी. वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा कर खुद को पीछे खींच लिया है, जिससे यूएई खुद को सैन्य रूप से असुरक्षित महसूस करने लगा।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर ईयू का शिकंजा बच्चों की सुरक्षा पर उठे सवाल

नई दिल्ली/ए।। मेटा प्लेटफ़ॉर्म की सोशल मीडिया सेवाएं फेसबुक और इंस्टाग्राम यूरोपीय संघ (श्व) के नियमों के उल्लंघन के आरोपों में घिर गई हैं। यूरोपीय आयोग ने कहा है कि ये प्लेटफ़ॉर्म 13 साल से कम उम्र के बच्चों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। जांच में पाया गया कि यूरोप में 10-12व बच्चे 13 साल से कम उम्र के होने के बावजूद फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कार्रवाई डीजिटल सर्विस एक्ट (डीएसए) के तहत की गई है, जो बड़ी टेक कंपनियों को अपने प्लेटफ़ॉर्म पर हानिकारक और गैरकानूनी कंटेंट को रोकने के लिए जिम्मेदार बनाता है। श्व की टेक प्रमुख Henna Virkkunen ने कहा कि सिर्फ़नियम बनाना काफी नहीं है, बल्कि उन्हें लागू करना भी जरूरी है, खासकर बच्चों की सुरक्षा के लिए। यूरोपीय आयोग ने Meta से कहा है कि वह अपने सिस्टम में बदलाव करे और बच्चों की पहचान, रोकथाम और हटाने के उपायों को और मजबूत बनाए।

तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंची इक्वाडोर की विदेश मंत्री

नई दिल्ली/ए।। इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफ़ेल्ड बुधवार को अपने तीन दिन के भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचीं। विदेश मंत्री सोमरफ़ेल्ड के भारत दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर विदेश मंत्रालय ने लिखा, इक्वाडोर की विदेश मंत्री और ह्यूमन मोबिलिटी मंत्री गैब्रिएला सोमरफ़ेल्ड रोसेरो का नई दिल्ली आने पर हार्दिक स्वागत है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर बिना नाम लिए अखिलेश पर बरसे पीएम मोदी

सपा ने दिया यूपी के लोगों को ‘गाली’ देने वाली द्रमुक का साथ: पीएम मोदी



लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता लेकिन सपा ने इस संशोधन विधेयक का विरोध किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से सभी राज्य विधानसभाओं में भी सीटों की संख्या बढ़ जाती। उन्होंने कहा, हमने संसद में साफ़-साफ़कहा था कि सभी राज्यों की सीटें एक ही

सपाइयों को पसंद नहीं आ रही यूपी की तरकी

उन्होंने खासकर सपा पर हमलावर होते हुए कहा, संसाधनों की बंटवारा करने वाले जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई है, उन्हें उत्तर प्रदेश की यह प्रगति पसंद नहीं आ रही है। वह एक बार फिर उत्तर प्रदेश को पुराने दौर में धकेलना चाहते हैं। वह एक बार फिर समाज को बांटना और तोड़ना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं होने का ठीकरा भी सपा के सिर फेंकते हुए कहा, समाजवादी पार्टी विकास विरोधी भी है और नारी विरोधी भी है। अभी बीते दिनों देश में एक बार फिर सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियों का असली चेहरा देखा।

अनुपात में बढ़ेंगी, लेकिन उत्तर प्रदेश को गाली देकर राजनीति करने वाली द्रमुक जैसी पार्टियों को आपत्ति थी कि उत्तर प्रदेश की सीटें क्यों बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री ने किसी का नाम लिये बिना कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया युद्ध, अशांति और अस्थिरता से ज़िरी है और

अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र पहुंचा ईरान कहा-हमारा जहाज जब्त करना समुद्री डकैती



तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (ए.)। ईरान ने अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में शिकायत की है। तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चिट्ठी में ईरान ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके जहाजों को जब्त करके ‘समुद्री डकैती’ की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका ने ‘मैजैस्टिक’ और ‘टिफ़ी’ नाम के जहाजों को कब्जे में लिया और लगभग 38 लाख बैरल ईरानी तेल भी जब्त कर लिया। उनके मुताबिक यह कदम गैरकानूनी है और यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दखल देने जैसा है।

ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्र से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करती है। इरावानी ने यह भी कहा कि अगर ऐसे कदमों को रोका नहीं गया, तो यह एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिससे पूरी दुनिया में कानून व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है।

गौड़ ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी’ में भीषण आग, कई फ्लैट्स का सामान खाक, रोते-बिलखते रहे मालिक

गाजियाबाद/ए।। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र में बुधवार सुबह एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई, जिसके बाद बड़े स्तर पर अग्निशमन और बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के अनुसार, गौर ग्रीन एवेन्यू सोसायटी की 11वीं मंजिल पर सुबह करीब 8:50 बजे आग लगी, जो तेजी से फैलकर कई अन्य मंजिलों के फ्लैटों तक पहुंच गई। अधिकारियों के अनुसार, आग सातवीं से आठवीं मंजिल तक फैल गई थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और इसकी जांच जारी है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में वैशाली, सहिबाबाद और नोएडा

समेत आसपास के क्षेत्रों से एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 10:30 बजे तक आग पर काफ़ी हद तक काबू पा लिया गया, हालांकि पूरी तरह से आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। इस दौरान बचाव अभियान भी साथ-साथ चलाया गया। इमारत में फंसे कई निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें एक बुजुर्ग व्यक्ति भी शामिल थे, जो ऑक्सीजन सप्लाय पर थे।

अग्निशमन कर्मियों ने उन्हें स्ट्रेचर के जरिए बाहर निकाला। आग कितनी भीषण थी इसका आंखों देखा हाल वहां के कुछ लोग ने बताया। पोस्ट किए गए एक वीडियो में आग की भयावहता नजर आ रही है। मशहूर पत्रकार और यूट्यूबर अजीत अंजुम ने वीडियो में दिखाया कि आग ने कितना विकराल रूप धारण कर लिया था और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कितनी बेबस नजर आ रही थीं। जैसे ही एक फ्लैट में आग लगती है, ये अगल-बगल के फ्लैट को भी अपनी जद में लेती है। बताया जा रहा है गैस लीकेज की वजह से सुबह 8:00 बजे एक फ्लोर पर आग लगी और उसके बाद देखते ही देखते एसी के यूनिट्स में जबरदस्त आग लग गई।

जन्मतिथि के लिए अब आधार सबूत नहीं माना जाएगा

नई दिल्ली/ए।। अगर आप अब तक यह सोचते थे कि आपका यूआईडीएआई द्वारा जारी आधार कार्ड हर जगह काम आ जाता है, तो यह खबर पढ़ना आपके लिए बेहद जरूरी है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक यूआईडीएआई ने एक बड़ा बयान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि आधार कार्ड को जन्मतिथि के पक्के सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। यआईडीएआई ने साफ़किया है कि आधार सिर्फ आपकी पहचान और एड्रेस का प्रमाण है, न कि आपकी उम्र या जन्मतिथि का आधिकारिक दस्तावेज। बताते चलें की देश में लंबे समय से लोग आधार को हर तरह के काम के लिए इस्तेमाल करते आ रहे हैं चाहे वह बैंकिंग हो, स्कूल एडमिशन हो या सरकारी



योजनाएं। इस अपडेट के बाद कौन-कौन से डॉक्यूमेंट जरूरी होंगे। सिर्फ यूआईडीएआई ही नहीं, बल्कि कोर्ट और कई सरकारी विभाग भी पहले ही साफ़कर चुके हैं कि आधार उम्र या जन्मतिथि का पक्का सबूत नहीं है। कई मामलों में अदालतों ने भी कहा है कि आधार की जगह स्कूल सर्टिफिकेट या जन्म प्रमाण पत्र ज्यादा भरोसेमंद होते हैं। अगर आपको अपनी जन्मतिथि साबित करनी है, तो आपको जन्म प्रमाण पत्र, - 10वीं की मार्कशीट, - पासपोर्ट डॉक्यूमेंट्स दिखाना आवश्यक होगा।

किंग चार्ल्स तृतीय ने अमेरिका-ब्रिटेन के बीच नए सिरे से गठबंधन का किया आग्रह

वाशिंगटन नई दिल्ली/ए।। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने अमेरिका और ब्रिटेन के बीच की दोस्ती को और मजबूत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति और झगड़े चल रहे हैं, उन्हें देखते हुए दोनों देशों का मिलकर काम करना बहुत जरूरी है।

कांग्रेस की जॉइंट मीटिंग में बोलते हुए, चार्ल्स ने कहा कि यूरोप से लेकर मिडिल ईस्ट तक संघर्ष के समय दोनों देश बहुत अनिश्चितता के समय का सामना कर रहे हैं, जिसके नतीजे दोनों समाजों पर महसूस किए जा रहे हैं। उन्होंने कैपिटल के पास हाल ही में हुई एक हिंसक घटना

का भी जिक्र किया और कहा कि हिंसा के ऐसे काम कभी कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने लोकतंत्र को



बनाए रखने और हमारे सभी लोगों को नुकसान से बचाने के साझा वादे को दोहराया।

चार्ल्स ने अमेरिका-ब्रिटेन के संबंध को साझा लोकतांत्रिक परंपराओं में निहित बताया, भले ही यह शुरुआती अपहमतियों से उभरा हो। उन्होंने कहा, असल में

हमारे देश स्वाभाविक रूप से एक जैसी सोच रखते हैं। किंग चार्ल्स तृतीय ने अमेरिका और ब्रिटेन के संबंध को विवाद से पैदा हुई साझेदारी, लेकिन मजबूत बताया। उन्होंने इन संबंधों को मैग्ना कार्टा और इंग्लिश कॉमन लॉ समेत आम कानूनी और राजनीतिक बुनियाद से जोड़ा, जिसने चेक्स एंड बैलेंस जैसे अमेरिकी संवैधानिक सिद्धांतों को बनाने में मदद की। किंग ने मौजूदा ग्लोबल माहौल में मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, वे इतनी बड़ी हैं कि कोई एक देश अकेले उनका सामना नहीं कर सकता।

कच्चे तेल का संकट: 120/बैरल पर पहुंचा भाव तो 6 प्रतिशत तक फिसल सकती है जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली/ए।। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव अगर लंबा खिंचता है और इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2027 में भारतीय कच्चे तेल का बास्केट औसतन 120 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच जाता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। प्रमुख कंसल्टेंसी फर्म थ्रुडू इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में आशंका जताई है कि इस परिदृश्य में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर फिसलकर 6 प्रतिशत के आसपास आ सकती है। इतना ही नहीं कच्चे तेल की कीमतों में इस उछाल का सीधा असर महंगाई पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6 प्रतिशत के ऊपरी सहिष्णुता स्तर तक पहुंच सकती है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव



ने ‘ईवाई इकोनॉमी वॉच’ रिपोर्ट में कहा कि हालांकि नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए नीति निर्माताओं को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि पश्चिम एशियाई संकट के कारण आईसीबी की कीमतें और बढ़ती हैं, तो रेपो दर में ऊपर की ओर संशोधन और कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में तेजी से विविधता लाने पर विचार किया जाना चाहिए। श्रीवास्तव ने राजकोषीय मोर्चे पर भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, राजकोषीय घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए, ऊर्जा की बढ़ी हुई

कीमतों का बोझ खुदरा विक्रेताओं पर अपेक्षाकृत अधिक हद तक डाला जाना चाहिए।

लंबा खिंच सकता है पश्चिम एशियाई संकट

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि मौजूदा संकेत बताते हैं कि पश्चिम एशियाई संकट उम्मीद से कहीं अधिक समय तक चल सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि भले ही यह संघर्ष सुलझ जाए, लेकिन वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति को पूरी तरह सामान्य होने में काफी समय लेगा। रिपोर्ट में अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुमानों का भी हवाला दिया गया है, जिसमें ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें त्ता 2026 में औसतन 81 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर त्त् 2026 में 115 डॉलर प्रति बैरल के शिखर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है।



पीएम मोदी ने सिक्किम में युवा खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेला

नई दिल्ली/ए।। प फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिक्किम में बच्चों के साथ फुटबॉल खेलने की तस्वीर शेयर कर उनकी सराहना की है। फुटबॉल सच में दुनिया को जोड़ता है। इन्फेंटिनो ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पीएम मोदी की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, «पीएम मोदी को हमारे खूबसूरत खेल को खेलते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा। फुटबॉल सच में दुनिया को जोड़ता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम की राजधानी गंगटोक में युवा खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल का सत्र

खेला था। पीएम मोदी ने इस सेशन को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए पीएम ने लिखा था- सिक्किम में अपने युवा दोस्तों के साथ गंगटोक की एक प्यारी सुबह में फुटबॉल खेलने जैसा कुछ नहीं।

पीएम मोदी ने अपने दूसरे पोस्ट में कहा, युवाओं के साथ एक ऊर्जावान फुटबॉल सेशन। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिल चुके हैं। दोनों के बीच सबसे यादगार मुलाकातें दिसंबर 2018 में अर्जेंटीना में जी-20 समिट और दिसंबर 2024 में कुवैत में हुई थीं। अर्जेंटीना में हुई मुलाकात के दौरान इन्फेंटिनो ने पीएम मोदी को उनके नाम वाली फुटबॉल जर्सी भेंट की थी, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने उनका आभार व्यक्त किया था। फुटबॉल एक खेल के रूप में भारत में राष्ट्रीय स्तर पर बेशक उलना लोकप्रिय न हो, लेकिन पूर्वोत्तर के राज्यों में फुटबॉल काफी लोकप्रिय है। सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर और मेघालय जैसे राज्यों में फुटबॉल क्रिकेट से ज्यादा लोकप्रिय है।

वरुण धवन की ‘है जवानी तो इश्क होना है’ को मिली नई रिलीज डेट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की आगामी फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह बना हुआ है. इसी बीच फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नया अपडेट सामने आया है. पहले यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे दोबारा अपनी पुरानी रिलीज डेट पर शिफ्ट कर दिया है. अब यह फैमिली एंटरटेनर फिल्म 5 जून 2026 को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। मेकर्स का मानना है कि आईपीएल सीजन खत्म होने के बाद दर्शकों का पूरा ध्यान फिल्मों की तरफ रहेगा. ऐसे में फिल्म को 5 जून को रिलीज करना बॉक्स ऑफिस के लिहाज से फायदेमंद साबित हो सकता है. यही वजह है कि फिल्म को अब आईपीएल के बाद रिलीज करने का फैसला लिया गया है। ‘है जवानी तो इश्क होना है’ एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म बताई जा रही है, जिसमें रोमांस, कॉमेडी और भरपूर मनोरंजन देखने को मिलेगा. फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी. तीनों कलाकारों



की जोड़ी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी चर्चा है। इस फिल्म का निर्देशन बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक डेविड धवन ने किया है, जो अपनी कॉमिक टाईमिंग और मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. लंबे समय बाद डेविड धवन एक बार फिर दर्शकों के लिए हल्की-फुल्की कॉमेडी और फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं. फिल्म का निर्माण टिप्स फिल्म्स लिमिटेड ने किया है, जबकि मैक्सिमिलियन फिल्म्स (यूके) इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

फिल्म की रिलीज डेट बदलने के बाद फैंस को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म उन्हें भरपूर मनोरंजन देने वाली है. अब सभी की नज़रें 5 जून पर टिकी हैं।



